राष्ट्रीय संस्करण

पासवान बोले, सरकार के पास है पूरे साल के लिए पर्याप्त खाद्यान्न >>10

दैनिक जागरण

वर्ष 3 अंक 303
मूल्य ₹6.00, नई दिल्ली, शुक्रवार, 10 अप्रैल 2020
www.jagran.com
पृष्ठ 14

कोरोनामीटर

(स्रोत : वर्ल्डोमीटर्स डॉट इंफो स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय)

	विश्व	अमेरिका	स्पेन	भारत	3 अप्रैल की स्थिति	दिल्ली
कुल केस	15,36,677	4,35,289	1,52,446	6,624	2,331	720
मौतें	89,907	14,818	15,238	227	73	12
स्वस्थ हुए	3,40,349	22,909	52,165	596	174	25

भारत के प्रमुख राज्य

राज्य	केस	मौतें
तमिलनाडु	834	8
तेलंगाना	453	11
राजस्थान	430	7
मध्य प्रदेश	415	2
उत्तर प्रदेश	410	7
केरल	357	7
आंध्र प्रदेश	348	4
गुजरात	262	4
अन्य	2395	165

रात 11 : 30 बजे तक

अन्य प्रमुख देश

देश	इटली	जर्मनी	फ्रांस
केस	1,39,422	1,13,296	1,12,950
मौतें	17,669	2,349	10,869

नोट : कोरोना से प्रभावित लोगों के संदर्भ में आंकड़े उल्लिखित दो स्रोतों के अतिरिक्त जागरण न्यूज नेटवर्क के रूप में अन्य माध्यमों से भी लिए गए हैं। अत: तालिका तथा दैनिक जागरण के इस अंक में प्रकाशित सामग्री में आंकड़ों का अंतर संभव है।

हेल्पलाइन नंबर

कोरोना से जुड़ी सही जानकारी देने के लिए भारत सरकार और विश्व स्वास्थ्य संगठन ने वाट्सएप हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं। इन नंबरों को मोबाइल में सुरक्षित करके कोई भी प्रामाणिक सूचना पाई जा सकती है। कृपया नंबर दर्ज करके वाट्सएप पर सिर्फ नमस्कार का संदेश भेजें। तुरंत एक मेन्यू आएगा, जिसके अनुसार वांछित जानकारी ली जा सकती है।

who:+41 798931892
mygov : +919013151515

मुंबई के स्लम एरिया में सघन जांच अभियान शुरू • पेज 5

समझदार बने, घर में रहें और लक्ष्मण रेखा न लांघें • पेज 6

प्रियंका ने चार कोरोना फाइटर्स को दिए एक लाख डॉलर • पेज 7

महाराष्ट्र में एक दिन में 25 की मौत

संकट गहराया ▸ देशभर में संक्रमितों की संख्या 6,600 के पार, अब तक 227 की गई जान

महाराष्ट्र में 229 मामलों के साथ देश में एक दिन में 778 मरीज सामने आए

जेएनएन, नई दिल्ली

देश में कोरोना का संकट गहराता जा रहा है। गुरुवार को अलग-अलग राज्यों से बेहद चिंताजनक आंकड़े सामने आए। कोरोना के कारण अकेले महाराष्ट्र में एक दिन में 25 लोगों की मौत हो गई। इससे देशभर में इस महामारी से जान गंवाने वालों का आंकड़ा 227 पर पहुंच गया है। गुरुवार को महाराष्ट्र में 229 नए संक्रमितों के साथ देशभर में 778 नए मामले सामने आए और कुल मरीजों का आंकड़ा 6,624 पर पहुंच गया। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, गुरुवार शाम तक पिछले 24 घंटे में 591 नए मामलों के साथ संक्रमितों की संख्या 5,865 रही। मृतकों की संख्या 169 है। आंकड़ों में अंतर को लेकर अधिकारियों का कहना है कि राज्यों की संबंधित इकाइयों से केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय को आंकड़े मिलने में देरी के कारण यह अंतर रहता है। कई निजी एजेंसियां सीधे राज्यों से आंकड़े जुटाती हैं।

कोरोना संक्रमण के लिहाज से गुरुवार का दिन महाराष्ट्र के लिए चिंता बढ़ाने वाला रहा। यहां 24 घंटे में 229 कोरोना पॉजिटिव मरीजों के साथ कुल संक्रमितों की संख्या 1,364 पर पहुंच गई। अकेले मुंबई में 79 नए मरीज मिले हैं। यहां सबसे बड़ी चिंता घनी झोपड़पट्टियों में नए मामले सामने आने की है, जिससे कम्युनिटी ट्रांसमिशन का खतरा बढ़ता जा रहा है। मुंबई के झोपड़पट्टी क्षेत्र धारावी एवं वरली कोलीवाड़ा सहित 215 क्षेत्रों को रेड जोन घोषित कर सघन जांच की जा रही है। देश में संक्रमितों के मामले में दूसरे नंबर पर तमिलनाडु है। 96 नए मामलों के साथ यहां संक्रमितों का आंकड़ा 834 पर पहुंच गया है। उत्तर प्रदेश में भी 50 से ज्यादा नए मामलों के साथ अब तक कुल 410 लोगों में संक्रमण की पुष्टि हुई है। राजस्थान में भी करीब 70 नए मामलों के साथ 430 लोग संक्रमित पाए जा चुके हैं। गुजरात में भी 76 नए मामले सामने आए और संक्रमितों का आंकड़ा 262 पर पहुंच गया है। दिल्ली में 51 नए मरीजों के साथ अब तक 720 लोगों में संक्रमण की पुष्टि हुई है। मृतकों के मामले में सबसे ज्यादा 97 लोगों ने महाराष्ट्र में कोरोना के कारण जान गंवाई है। अब तक मध्य प्रदेश में 30, गुजरात में 18, दिल्ली में 12, तेलंगाना में 11, पंजाब में 10 और तमिलनाडु में आठ लोगों की कोरोना के कारण मौत की पुष्टि हुई है।

मुंबई में स्थित एशिया की सबसे बड़ी मलिन बस्ती धरावी में कई कोरोना वायरस संक्रमित मिलने के बाद यहां ड्रोन से निगरानी की जा रही है। ड्रोन कैमरे से पुलिस क्वारंटाइन किए गए लोगों पर नजर रख रही है। एपी

आइसोलेशन में रखे गए लोगों की हो रही 'जियो फेंसिंग'

नई दिल्ली : आइसोलेशन में रखे गए कोरोना संदिग्धों के लिए घर से बाहर निकलना आसान नहीं होगा। आठ राज्यों में ऐसे संदिग्धों का 'जियो फेंसिंग' कर दिया गया है। जैसे ही कोई आइसोलेशन के स्थान से दूर जाएगा,उसकी निगरानी में लगी एजेंसियां सतर्क हो जाएंगी। (पेज-3)

पीपीई की उपलब्धता को लेकर भयभीत होने की जरूरत नहीं

नई दिल्ली : स्वास्थ्य मंत्रालय ने चिकित्सा कर्मियों के सुरक्षा उपकरणों (पीपीई) व अन्य संसाधन पर्याप्त संख्या में होने की बात कही है। मंत्रालय ने कहा है कि पीपीई की उपलब्धता को लेकर भयभीत होने की जरूरत नहीं है। 20 घरेलू कंपनियां इसका निर्माण कर रही हैं। आर्डर दिए जा चुके हैं। (पेज-4)

ईएसआइसी के अस्पतालों में भी तैयारियां चाक चौबंद

नई दिल्ली : कोरोना से जंग के प्रयासों की कड़ी में कर्मचारी बीमा निगम (ईएसआइसी) के अस्पतालों ने भी अपनी तैयारियां चाक-चौबंद कर ली हैं। ईएसआइसी के अस्पतालों ने अब तक 2200 आइसोलेशन बेड और 1200 क्वारंटाइन बेड तैयार कर उपलब्ध करा दिए हैं। (पेज-6)

कोरोना से जंग का पूरा खर्च उठाएगा केंद्र

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

▸ 15 हजार करोड़ रुपये के पैकेज का एलान, राज्यों से अपनी-अपनी जरूरतें बताने के लिए कहा गया

कोरोना वायरस के मरीजों के इलाज और इससे निपटने की तैयारियों का पूरा खर्च केंद्र सरकार उठाएगी। इसके लिए केंद्र ने राज्यों के लिए 15 हजार करोड़ रुपये के विशेष पैकेज का एलान किया है। राज्य सरकारें इस फंड का इस्तेमाल एन-95 मास्क , वेंटिलेटर, पीपीई, एंबुलेंस और दवाइयां खरीदने से लेकर अस्पतालों और टेस्टिंग लैब के साथ अन्य स्वास्थ्य सेवाओं के उन्नयन के लिए कर सकती हैं।

स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने कहा, यह कोरोना के खतरे से निपटने के लिए राज्यों को दिया जाने वाला 100 फीसद केंद्रीय सहायता का पैकेज है। यानी इस फंड के इस्तेमाल के लिए राज्यों को अपनी तरफ से कोई धन नहीं देना पड़ेगा। कई योजनाओं में केंद्र और राज्यों की हिस्सेदारी तय होती है, जिसके अनुसार राज्य अपने हिस्से का धन देने के बाद ही केंद्रीय फंड का इस्तेमाल कर सकते हैं। अग्रवाल ने कहा, गुरुवार को ही सभी राज्यों को इस पैकेज के बारे में बता दिया गया है और कोरोना से निपटने के लिए उन्हें अपनी-अपनी जरूरतें बताने को कह दिया गया है। तैयारियों में मदद के लिए केंद्र की ओर से विशेषज्ञों की 10 टीमें नौ राज्यों में भेजी गई हैं।

स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार इस पैकेज में से लगभग आधे 7,774 करोड़ रुपये का इस्तेमाल राज्य सरकारें तत्काल कोरोना से लड़ने के लिए आपातकालीन सेवाओं पर कर सकती हैं। शेष राशि का इस्तेमाल एक से चार साल के बीच राज्यों में स्वास्थ्य सेवाओं की बेहतर आधारभूत संरचना तैयार करने पर किया जाएगा। पैकेज का उद्देश्य यह है कि धन के अभाव में किसी भी राज्य में कोरोना के मरीजों के इलाज में कोई कमी नहीं रहे और इसके फैलने से रोकने की तैयारियों पर कोई असर नहीं हो। लेकिन इसका दूरगामी उद्देश्य राज्यों में अस्पतालों और लैबोरेटरी समेत स्वास्थ्य सेवाओं की ऐसी आधारभूत संरचना का निर्माण करना है ताकि भविष्य में इस तरह की समस्याओं से आसानी से निपटा जा सके। दरअसल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 24 मार्च को ही एलान किया था कि केंद्र सरकार कोरोना से लड़ाई के लिए 15 हजार करोड़ रुपये से इसकी टेस्टिंग से लेकर इलाज तक पूरी संरचना का निर्माण करेगी।

लव अग्रवाल के अनुसार इस फंड का उपयोग राज्य सरकारें कोरोना से लड़ने के लिए सभी जरूरी चीजों के लिए कर सकती हैं। राज्य सरकारें इससे पीपीई, एन95 मास्क, वेंटिलेटर या कोई और अन्य सामान खरीद सकती हैं। साथ ही वे सामुदायिक निगरानी के लिए भी इस फंड का इस्तेमाल कर सकते हैं। अस्पतालों के उन्नयन और एंबुलेंस खरीदने में भी इसका इस्तेमाल किया जा सकता है।

मानवता को बचाने के लिए सब कुछ करेगा भारत : मोदी

नई दिल्ली : कोरोना महामारी में संजीवनी समझी जाने वाली हाइड्रोक्सी क्लोरोक्विन के निर्यात की मंजूरी देने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के धन्यवाद के जवाब में पीएम नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा, भारत कोविड-19 से लड़ाई में मानवता की मदद के लिए हरसंभव मदद करेगा। भारत ने दूसरे देशों को एचसीक्यू की आपूर्ति शुरू कर दी है। (पेज-3)

सरोकार

कोरोना से लड़ने को दान कर दी जीवनभर की पूंजी

चमोली : उत्तराखंड के चमोली जिले के गौचर गांव की निवासी 60 वर्षीय देवकी भंडारी ने कोरोना से लड़ने के लिए जीवनभर की पूंजी दान कर दी। देवकी ने पीएम केयर फंड के लिए दस लाख का चेक जमा कराया है। (पेज-7)

जागरण विशेष

फिर मुस्कुराएगा इंडिया, गुनगुना रहा देश...

पटना : बिहार के एक युवक का लिखा गीत- फिर मुस्कुराएगा इंडिया...। प्रधानमंत्री को बहुत पसंद आया। उन्होंने ट्वीट किया-फिर जीत जाएगा इंडिया...। पीएम की तरह ही लाखों लोगों को यह गीत खूब पसंद आ रहा है। (पेज-7)

ओडिशा में 30 तक बढ़ा लॉकडाउन

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली

▸ मुख्यमंत्री नवीन पटनायक की अध्यक्षता में कैबिनेट ने लिया फैसला

▸ देशभर में अवधि बढ़ाने के लिए भी की केंद्र से सिफारिश

कोरोना वायरस का प्रसार रोकने के लिए ओडिशा सरकार ने राज्य में लॉकडाउन की अवधि 30 अप्रैल तक बढ़ाने का फैसला किया है। इस तरह लॉकडाउन की अवधि बढ़ाने की घोषणा करने वाला ओडिशा पहला राज्य बन गया है। वहीं, कर्नाटक सरकार भी लॉकडाउन की अवधि 15 दिन बढ़ाने के पक्ष में है, लेकिन मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से विचार-विमर्श करके इस संबंध में फैसला लेंगे।

ओडिशा में मुख्यमंत्री नवीन पटनायक की अध्यक्षता में गुरुवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये राज्य कैबिनेट की बैठक हुई। इसमें प्रदेश में लॉकडाउन की अवधि 30 अप्रैल तक बढ़ाने का निर्णय लिया गया। इसके साथ ही केंद्र सरकार से भी इसकी अवधि 30 अप्रैल तक बढ़ाने की सिफारिश की गई है।

मुख्यमंत्री ने ओडिशा के लिए 30 अप्रैल तक ट्रेन एवं हवाई सेवा को भी बंद रखने के लिए केंद्र सरकार से अनुरोध किया है। इसके साथ ही 17 जून तक राज्य के सभी शिक्षण संस्थानों को बंद रखने का निर्णय भी लिया गया है।

नवीन पटनायक फाइल फोटो

ममता ने दिए संकेत, बंगाल में भी बढ़ाई जा सकती है अवधि

कोलकाता : बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को संकेत दिए कि 14 अप्रैल को लॉकडाउन खत्म करना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि 11 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये बैठक होनी है, इसके बाद ही लॉकडाउन पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

कर्नाटक भी 15 दिन बढ़ाने के पक्ष में, सीएम आज करेंगे पीएम से बात

कर्नाटक में कैबिनेट की बैठक के बाद मुख्यमंत्री येदियुरप्पा ने बताया कि कोविड-19 का प्रसार रोकने के लिए उनके सभी कैबिनेट सहयोगियों ने सर्वसम्मति से लॉकडाउन की अवधि करीब 15 दिन बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की है। लेकिन हम शुक्रवार को प्रधानमंत्री मोदी से विचार-विमर्श करने और अन्य राज्यों के हालात देखने के बाद इस पर कोई फैसला करेंगे कि लॉकडाउन में ढील दी जाए अथवा नहीं। बता दें कि कर्नाटक में लॉकडाउन से निकलने की रणनीति बनाने के लिए बनाई गई स्वास्थ्य विशेषज्ञों की समिति ने बुधवार को अपनी सिफारिशें मुख्यमंत्री को सौंप दी थीं। इसमें कुछ छूट के साथ हॉटस्पॉट पर लॉकडाउन को जारी रखने, सभी स्कूल-कॉलेजों को 31 मई तक बंद रखने और सार्वजनिक परिवहन पर प्रतिबंध जारी रखने की सिफारिश की गई है। निजी वाहनों के लिए इसमें ऑड-ईवन लागू करने का सुझाव दिया गया है।

सांस के गंभीर रोगियों में कोरोना ने बढ़ाई चिंता

आइसीएमआर का अध्ययन : कम्युनिटी ट्रांसमिशन के फेज में पहुंचने के संकेत

नीलू रंजन, नई दिल्ली

कोरोना के कम्युनिटी ट्रांसमिशन के फेज में पहुंचने के शुरुआती संकेत मिलने लगे हैं। आइसीएमआर के ताजा अध्ययन में सामने आया है कि सांस से संबंधित बीमारी से गंभीर रूप से ग्रसित हर 100 मरीजों में लगभग दो कोरोना वायरस से ग्रसित हैं। दिल्ली में यह आंकड़ा और भी ज्यादा है। यहां हर 100 मरीज में पांच से अधिक कोरोना से ग्रसित मिले हैं, जबकि महाराष्ट्र में चार फीसद और उत्तर प्रदेश में डेढ़ फीसद मरीज कोरोना से ग्रसित पाए गए हैं।

कोरोना वायरस के कम्युनिटी ट्रांसमिशन में पहुंचने का पता लगाने के लिए आइसीएमआर (इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रीसर्च) ने सांस से संबंधित बीमारी से गंभीर रूप से ग्रसित ऐसे मरीजों की कोरोना वायरस की जांच शुरू की, जो देश के विभिन्न सरकारी अस्पतालों में आइसीयू में भर्ती हैं।

15 फरवरी से शुरू किए गए इस अध्ययन में 14 मार्च तक 859 मरीजों का कोरोना टेस्ट किया गया, लेकिन इसमें कोई भी कोरोना पॉजिटिव नहीं निकला। लेकिन 15 मार्च के बाद हुए टेस्ट में कोरोना के मरीज मिलने शुरू हो गए। 15 से 21 मार्च के बीच कुल 109 मरीजों का कोरोना टेस्ट किया गया, जिनमें दो कोरोना पॉजिटिव निकले। 22 से 28 मार्च के बीच 2877 मरीजों में 48 और 29 मार्च से दो अप्रैल के बीच 2069 मरीजों में 54 मरीज कोरोना पॉजिटिव निकले। सबसे बड़ी बात यह है कि 29 मार्च से दो अप्रैल के बीच प्रति 100 मरीजों में कोरोना के 2.6 फीसद मरीज कोरोना पॉजिटिव थे। इस तरह 15 फरवरी से दो अप्रैल तक कुल 5911 मरीजों में 104 मरीज कोरोना पॉजिटिव मिले।

सांस की बीमारी से गंभीर रूप से ग्रसित हर 100 मरीज में लगभग दो मरीजों का कोरोना पॉजिटिव मिलना इसके कम्युनिटी ट्रांसमिशन के फेज में पहुंचने का पहला संकेत है। सबसे बड़ी बात यह है कि इनमें 40 फीसद मरीजों की ट्रेवल या कोरोना मरीज के संपर्क में आने की कोई हिस्ट्री नहीं है।

अध्ययन में दिल्ली में 277 मरीजों का टेस्ट किया गया, जिनमें 14 कोरोना पॉजिटिव मिले। उत्तर प्रदेश में 295 मरीजों में चार कोरोना पॉजिटिव पाए गए। आइसीएमआर ने सरकार को इस अध्ययन के आधार पर कोरोना के खिलाफ अपनी लड़ाई को केंद्रित करने को कहा है ताकि कम्युनिटी ट्रांसमिशन के फेज में पहुंच चुके स्थानों पर विशेष ध्यान दिया जा सके।

चिंताजनक तस्वीर

तिथि	आइसीयू में टेस्ट	कोरोना+
14 मार्च तक	859	0
21 मार्च तक	109	2
28 मार्च तक	2877	48
दो अप्रैल तक	2069	54

हॉटस्पॉट के इंफ्लुएंजा मरीजों की भी होगी जांच

नई दिल्ली : देश में कोरोना के मामलों में आई तेजी के मद्देनजर आइसीएमआर ने अपनी रणनीति में बदलाव किया है। परिषद ने गुरुवार को कहा, अब हॉटस्पॉट या क्लस्टर इलाकों और विस्थापित केंद्रों पर ऐसे लोगों की भी कोरोना संक्रमण जांच की जाएगी जिनमें बुखार, खांसी, खराश या नाक बहने जैसे एंफ्लुएंजा के लक्षण होंगे। यह जांच बीमारी के सात दिन के भीतर और बीमारी के सात दिन बाद कराई जाएगी। (पेज-5)

न्यूज गैलरी

बिजनेस ▸ पृष्ठ 10

सारे सुधारों को चुनौती दे रही कोरोना महामारी : आरबीआइ

नई दिल्ली : भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआइ) ने गुरुवार को जारी मोनेटरी रिपोर्ट में कहा है कि कोरोना पिछले कई माह से चलाए जा रहे आर्थिक सुधारों को चुनौती देती दिख रही है। कोरोना से पहले अर्थव्यवस्था में सब कुछ बढ़िया था।

अंतराष्ट्रीय ▸ पृष्ठ 11

डब्ल्यूएचओ प्रमुख ने कोरोना को सियासी मुद्दा बना दिया : ट्रंप

वाशिंगटन : अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) प्रमुख टीए घेब्रेयसस ने चीन का पक्ष लेकर कोरोना को राजनीतिक मुद्दा बना दिया। डोनाल्ड ट्रंप ने डब्ल्यूएचओ की फंडिंग रोकने की भी बात कही।

जीत की राह

जब दुनिया एक वायरस से जूझ रही है तब राजस्थान के एक जिले ने पेश की मिसाल, एक समय पॉजिटिव व्यक्तियों की संख्या हो गई थी 27, बेहतर मैनेजमेंट और दृढ़ इच्छाशक्ति से हराया महामारी को

देश के लिए सबक है कोरोना मुक्त हुआ भीलवाड़ा

नरेन्द्र शर्मा, जयपुर

जब समूची दुनिया कोरोना वायरस से जूझ रही है तब राजस्थान के भीलवाड़ा जिले ने मिसाल पेश की है। बेहतर मैनेजमेंट व दृढ़ इच्छाशक्ति की बदौलत जिला कोरोना मुक्त हो गया है। एक समय था, जब यहां कोरोना संक्रमितों की संख्या 27 तक पहुंच गई थी, मगर गुरुवार को यह आंकड़ा तीन रह गया। अब इनकी रिपोर्ट भी नेगेटिव आई है। जिले में अब कोरोना पीड़ित एक भी व्यक्ति नहीं है। भीलवाड़ा ने जिस तरह कोरोना पर नियंत्रण पाया है, उसके बाद देश में ही नहीं बल्कि दुनिया में भी भीलवाड़ा मॉडल की मांग बढ़ी है। उधर, गुरुवार रात एक व्यक्ति में संक्रमण के लक्षण देखे गए हैं, मगर वह कोरोना ग्रसित है या नहीं, यह रिपोर्ट आने के बाद ही पता चलेगा।

मार्च के तीसरे हफ्ते में भीलवाड़ा में कोरोना मरीजों की संख्या एक साथ बढ़ी थी। यहां 27 पॉजिटिव केस मिले तो राज्य से लेकर केंद्र सरकार तक चिंतित हो गई। लेकिन, करीब 20 दिन के बेहतर मैनेजमेंट के बाद जिला कोरोना मुक्त हो गया है। भीलवाड़ा के डीएम राजेंद्र भट्ट ने दैनिक जागरण को बताया कि कोरोना पीड़ित 27 में से दो की मौत हो गई थी। शेष 25 इलाज के बाद ठीक हो गए। इनमें 15 को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई, बाकी को जल्द घर भेज दिया जाएगा। उन्होंने कहा,, शहर में महाकर्फ्यू और बढ़ाया जाएगा।

महाकर्फ्यू के दौरान सुनसान नजर आ रहा भीलवाड़ा शहर। सौ. जिला जनसंपर्क अधिकारी

दिल्ली और उत्तर प्रदेश ने अपनाया मॉडल : प्रदेश के चिकित्सा मंत्री डॉ. रघु शर्मा ने बताया कि कोरोना पर काबू पाने के लिए सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों व 225 जिलाधिकारियों को भीलवाड़ा मॉडल का प्रजेंटेंशन भेजा गया था। दिल्ली व उत्तर प्रदेश ने इसे अपनाते हुए कोराना प्रभावित क्षेत्रों को सील कर दिया है। शारीरिक दूरी को लेकर गाइडलाइन जारी की। वहां भी घर-घर स्क्रीनिंग की जा रही है।

कई देशों ने मांगी जानकारी : राज्य में चिकित्सा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव रोहित कुमार सिंह से अमेरिका, दुबई और फ्रांस से कई सरकारी प्रतिनिधियों एवं प्रवासी भारतीयों ने संपर्क कर भीलवाड़ा मॉडल की जानकारी मांगी है। उक्त देशों के कई प्रतिनिधियों ने सिंह से टेलीफोन एवं ईमेल के माध्यम से संपर्क किया है। सिंह का कहना है कि भीलवाड़ा की तरह पूरे प्रदेश को शीघ्र ही कोरोना मुक्त कर देंगे।

ऐसे पाया वायरस पर काबू

- स्थिति पर काबू पाने व तत्काल फैसला लेने को डीएम राजेंद्र भट्ट का मुख्यमंत्री से सीधा संपर्क रहा
- जब हालात बिगड़ने लगे तो शहर में महाकर्फ्यू लगा दिया गया,जिले की सभी सीमाएं सील कर दी गई
- मेडिकल टीम के अलावा किसी को शहर में प्रवेश नहीं दिया गया। राशन की आपूर्ति जिला प्रशासन ने की
- घर-घर सर्वे किया गया और लाखों लोगों की स्क्रीनिंग की गई
- करीब 1500 लोगों को होम आइसोलेट किया गया, घरों के बाहर जवान तैनात कर दिए गए
- क्वारंटाइन करने के लिए सभी होटल, गेस्ट हाउस, अस्पातल व हॉस्टल को अधिग्रहित कर लिया गया।
- शहरी और ग्रामीण इलाकों में लगातार हाइपोक्लोराइड का छिड़काव कराया गया
- कम्युनिटी ट्रांसमिशन रोकने के लिए सख्ती की गई, नतीजन शहर में मरीजों का आंकड़ा नहीं बढ़ा

अब 14 अप्रैल तक बदल सकेंगे जेईई मेंस की परीक्षा का केंद्र

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

▸ परीक्षार्थियों की गुहार पर निशंक ने समय सीमा बढ़ाने के दिए थे निर्देश

▸ जेईई मेंस की परीक्षा पहले ही मई के अंतिम सप्ताह तक बढ़ा दी गई है

जेईई मेंस की परीक्षा की तैयारी में जुटे परीक्षार्थियों के लिए यह राहत देने वाली खबर है। अब वह 14 अप्रैल तक अपने परीक्षा केंद्र में बदलाव और आवेदन से जुड़ी गलतियों को ठीक कर सकेंगे। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने इसके लिए तय समय सीमा अब 14 अप्रैल शाम पांच बजे तक बढ़ा दी है। एजेंसी ने समयसीमा बढ़ाने का फैसला छात्रों की ओर से आ रही मांग के बाद लिया है।

छात्रों की मांग को देखते हुए मानव संसाधन विकास मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने एनटीए से जरूरी कदम उठाने को कहा था। इस पर एनटीए ने गुरुवार को जेईई-मेंस के परीक्षा केंद्रों में बदलाव और आवेदन से जुड़ी गलतियां ठीक करने के लिए और समय दे दिया। छात्रों को यह सुविधा 14 अप्रैल शाम पांच बजे तक मिलेगी। जिन छात्रों को परीक्षा केंद्र में बदलाव या आवेदन से जुड़ी गलतियां सुधारनी हैं वे इस समयसीमा में कर सकते हैं। इससे पूर्व एनटीए ने जेईई मेंस की अप्रैल में प्रस्तावित परीक्षा स्थगित कर मई के अंतिम सप्ताह तक बढ़ा दी थी। हालांकि इसके लिए तारीखों का एलान 14 अप्रैल को लाकडाउन खत्म होने के बाद स्थिति की नए सिरे से समीक्षा के बाद ही किया जाएगा।

पीसीएस मेंस 2019, आरओ/एआरओ प्री 2016 की परीक्षा स्थगित पेज>>12